भारत- म्यांमार और चीन

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में एक रिपोर्ट के अनुसार चीन ने भारत-म्यांमार सीमा पर आदिवासी समुदायों के बीच अलगाव और असुरक्षा की भावना का "शोषण" किया है।
- इन आदिवासियों में, जो पूर्वोत्तर भारत में "उग्रवाद और अस्थिरता पैदा करने" के लिए सीमा पर की जा रही बाड़ का विरोध कर रहे थे , शामिल हैं।

भारत और म्यांमार

- भारत, म्यांमार के साथ 1,643 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करता है जो चार राज्यों: अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम से होकर गुजरती है। दोनों पक्षों के लोगों के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को देखते हुए, सीमा अपेक्षाकृत लचीली है अर्थात एक मुक्त आवाजाही व्यवस्था है जिसके तहत स्थानीय लोग सीमा के दोनों ओर 16 किमी. तक जा सकते हैं।
- विद्रोहियों को हथियारों की आपूर्ति चीन द्वारा की जा रही है, जिन्हें म्यांमार के रास्ते भारत में लाया जाता है।
- चीन और पूर्वोत्तर विद्रोहियों के बीच एक "ऐतिहासिक संबंध" था।

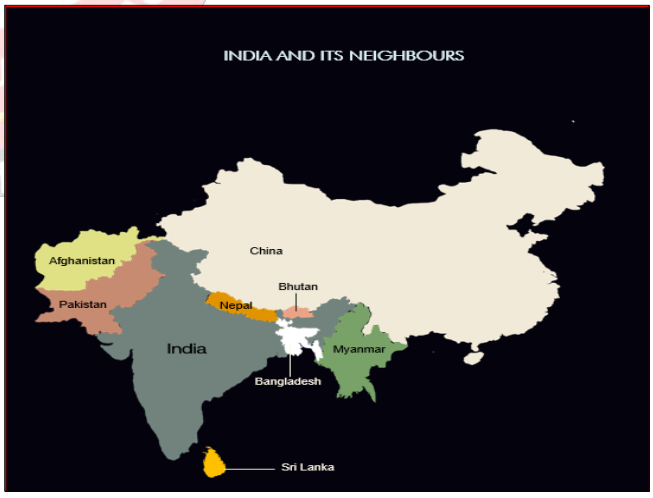

सीमा पर फेंसिंग का विरोध

- सीमा पर बाड़ लगाने के लिए भारत और म्यांमार दोनों द्वारा किए गए प्रयासों का दोनों पक्षों के आदिवासी समुदायों द्वारा विरोध किया गया है, जिन्हें डर है कि सीमांकन से उन्हें दूसरी तरफ अपनी भूमि और वन पहुंच से हाथ धोना पड़ेगा।

- ❖ अलगाव और असुरक्षा की इस भावना ने एकीकरण के लिए उग्रवाद और सीमा के दोनों ओर जातीय समूहों/पहचान के एकीकरण के लिए संघर्ष को जन्म दिया है।
- ❖ म्यांमार, भारतीय विद्रोही समूहों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह रहा है जो लचीलीसीमा का लाभ उठाते हैं।
- ❖ यह क्षेत्र सीमा पार अपराध से प्रभावित है, जिसमें वस्तुओं, हथियार, नकली मुद्रा, मादक पदार्थों की तस्करी और उग्रवाद शामिल है, "जैसा कि यह क्षेत्र **उत्तर-पूर्व स्वर्ण त्रिभुज** के करीब है और यह दुनिया के बाकी हिस्सों में बड़े पैमाने पर मादक पदार्थों की तस्करी के लिए पारगमन मार्ग भी है।"
- ❖ चीन से प्राप्त हथियारों की तस्करी थाईलैंड, बांग्लादेश और चीन-म्यांमार सीमाओं के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों में की जाती है।

सुझाव

- ❖ भारत को 15,000 किमी. से अधिक सीमाओं के साथ और एक शत्रुतापूर्ण पड़ोस के साथ तथा बिना बाड़ वाली सीमाओं की चुनौतियों को कम करने के लिए एक बहु-मॉडल दृष्टिकोण का पालन करना होगा। उदाहरण के लिए, सीमा प्रबंधन तकनीकों से लैस प्रौद्योगिकी-आधारित विशेष सीमा बल; जन-उन्मुख पहल; अंतर-एजेंसी समन्वय; डेटा विज्ञान के उपयोग के माध्यम से वास्तविक समय की निगरानी के लिए डेटाबेस का निर्माण; और पड़ोसी देशों के साथ सहयोग।
- ❖ चीन से अधिक सफलतापूर्वक मुकाबला करना है, तो उत्तर- पूर्व में लोगों को शामिल करना होगा और मुद्दों को सुलझाना होगा।"

स्रोत- द हिन्दू

सफर प्रणाली

चर्चा में क्यों ?

- ❖ हाल ही में सिस्टम ऑफ़ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च (SAFAR) के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 381 दर्ज किया गया।
- ❖ यह वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब श्रेणी' में शामिल है।

सफर प्रणाली के बारे में:

- ❖ सफर एक वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली है। इसे पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) द्वारा वास्तविक समय में वायु गुणवत्ता पर स्थान विशेष जानकारी प्रदान करने और भारत में 3 दिनों तक इसके पूर्वानुमान के लिए पेश किया गया था।

- यह भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे द्वारा भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और राष्ट्रीय मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान केंद्र (NCMRWF) के साथ मिलकर विकसित किया गया है।
- **उद्देश्य:** अपने शहर में हवा की गुणवत्ता में बदलाव के बारे में आम जनता के बीच पहले से ही जागरूकता बढ़ाना, ताकि वायु गुणवत्ता और संबंधित स्वास्थ्य मुद्दों की बेहतरी के लिए उचित शमन उपाय और व्यवस्थित कार्रवाई की जा सके।
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने SAFAR को इसके कार्यान्वयन में बनाए गए उच्च गुणवत्ता नियंत्रण और मानकों के आधार पर एक प्रोटोटाइप गतिविधि के रूप में मान्यता दी है।

भारत में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) की गणना प्रणाली

- AQI की गणना एक मानक समय अंतराल में की गयी किसी विशेष प्रदूषक की औसत सांद्रता पर आधारित है।
- भारत में AQI की गणना के लिए 8 व्यक्तिगत प्रदूषकों की निगरानी की जाती है। ये PM10, PM2.5, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, जमीनी स्तर के ओजोन, अमोनिया और सीसा हैं।
- AQI की गणना करने के लिए, कम से कम तीन प्रदूषकों का डेटा मौजूद होना चाहिए, जिनमें से एक PM10 या PM2.5 है ।

स्रोत- द हिन्दू

एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) सिस्टम

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में कलवारी श्रेणी की पनडुब्बियों में स्वदेशी वायु स्वतंत्र प्रणोदन (AIP) प्रणाली के एकीकरण के लिए विस्तृत डिजाइन चरण में प्रवेश करने और सहयोग बढ़ाने के लिए DRDO की नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला और नौसेना समूह, फ्रांस के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

पनडुब्बियां दो प्रकार की होती हैं-

- **डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी:** इन्हें डीजल जनरेटर चलाने के लिए वायुमंडलीय ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है जो बैटरी को चार्ज करता है।
- **परमाणु पनडुब्बी:** यह एक परमाणु रिएक्टर द्वारा संचालित पनडुब्बी है, लेकिन जरूरी नहीं कि यह परमाणु-सशस्त्र हो। पारंपरिक पनडुब्बियों की तुलना में ये काफी उन्नत हैं।

AIP क्या है?

- AIP तकनीक एक पारंपरिक पनडुब्बी को सामान्य डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की तुलना में अधिक समय तक जलमग्न शत्रु बनाने में सक्षम करती है। सभी पारंपरिक पनडुब्बियों को अपने जेनेरटर चलाने के लिए सतह पर आना पड़ता है, जो अपनी बैटरी को चार्ज करते हैं और पनडुब्बी को पानी के नीचे काम करने में सक्षम बनाते हैं।

AIP प्रणाली की विशेषताएं:

- यह पनडुब्बियों को पानी में अधिक समय तक रहने में सक्षम बनाती है।
- आमतौर पर पनडुब्बियों को अपनी बैटरी चार्ज करने के लिए पानी की सतह पर आना पड़ता है। यह AIP सिस्टम द्वारा कम किया गया है।
- यह पनडुब्बियों द्वारा किए गए शोर के स्तर को कम करती है। इससे पनडुब्बियों का पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

AIP के प्रकार:

ओपन-साइकिल सिस्टम
बंद-चक्र डीजल इंजन
बंद-चक्र भाप टर्बाइन
स्टर्लिंग चक्र इंजन
ईंधन कोष

- DRDO फ्यूल सेल आधारित AIP सिस्टम का उपयोग कर रहा है। यह अद्वितीय है क्योंकि हाइड्रोजन ऑनबोर्ड उत्पन्न होता है। उपयोगकर्त्ता की आवश्यकताओं के अनुसार संयंत्र को धीमे मोड और अधिकतम पावर मोड में संचालित किया गया था। प्रणाली को डीआरडीओ की नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (NMRL) द्वारा विकसित किया जा रहा है।

स्रोत- पीआईबी

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस

चर्चा में क्यों ?

- प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पर्यटन दिवस 25 जनवरी को पूरे देश में मनाया जाता है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के बारे में

- भारत सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व को बढ़ाने के लिए 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस के रूप में स्थापित किया गया।

- पर्यटन और इसके सामाजिक, राजनीतिक, वित्तीय और सांस्कृतिक मूल्य के महत्व पर वैश्विक समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए यह मनाया जाता है।
- **नोडल मंत्रालय**: पर्यटन मंत्रालय।

भारत के पर्यटन क्षेत्र की क्षमता

- भारत सांस्कृतिक, प्रकृति, विरासत, शैक्षिक, व्यवसाय, खेल, ग्रामीण, चिकित्सा, क्रूज और इको-टूरिज्म जैसे कई प्रकार के पर्यटन प्रदान करता है।
- भारत भौगोलिक विविधता, विश्व विरासत स्थलों और परिभ्रमण, साहसिक कार्य आदि जैसे विशिष्ट पर्यटन उत्पादों की पेशकश करता है।
- **ऐतिहासिक संबंध:** आध्यात्मिक ज्ञान और आत्म-ज्ञान की खोज करने वाले यात्रियों के लिए भारत हमेशा से एक लोकप्रिय गंतव्य रहा है।
- सदियों से कई विदेशी यात्रियों ने भारत का दौरा किया है। मेगस्थनीज, ह्वेन-सांग, मार्को पोलो और फा-हियान के आदि ने यात्रा-वृतांत, कविता और पुस्तकों के रूप में अपने अनुभव साझा किए हैं।
- भारत किसी के अंतर्मन को फिर से जगाने के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है।

महत्व

- भारत में पर्यटन क्षेत्र मेक इन इंडिया कार्यक्रम का एक अभिन्न स्तंभ है।
- भारत में पर्यटन उद्योग महत्वपूर्ण आर्थिक गुणक की भूमिका निभाता है क्योंकि भारत को तीव्र गति से विकास करना है और रोजगार सृजित करना है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में मेलबर्न में तीन हिंदू मंदिरों में की गई तोड़फोड़ की भारत ने कड़ी निंदा की जिसमें ऑस्ट्रेलिया के भारत विरोधी आतंकवादियों की आलोचना भी शामिल है।
- भारत के अनुसार ये घटनाएं शांतिपूर्ण, बहु-विश्वास और बहु-सांस्कृतिक भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के बीच घृणा और विभाजन बोने का स्पष्ट प्रयास थीं।

प्रमुख बिंदु

- मेलबर्न में स्वामीनारायण मंदिर, कैरम डाउन्स, विक्टोरिया में ऐतिहासिक श्री शिव-विष्णु मंदिर और मेलबर्न में इस्कॉन मंदिर को 'असामाजिक तत्वों' द्वारा भारत विरोधी भित्तिचित्रों के साथ विरूपित किया गया था।

- उच्चायोग के अनुसार "खालिस्तान समर्थक तत्व ऑस्ट्रेलिया में अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं, इन्हें सिख फॉर जस्टिस (SFJ) और ऑस्ट्रेलिया के बाहर की अन्य विरोधी एजेंसियों जैसे प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के सदस्यों द्वारा सक्रिय रूप से सहायता और बढ़ावा दिया जा रहा है।"

- उच्चायोग ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार से ऑस्ट्रेलिया में भारतीय समुदाय के सदस्यों और उनकी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्रीय अखंडता, सुरक्षा और भारत के राष्ट्रीय हित के लिए हानिकारक गतिविधियों हेतु ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्र के उपयोग की अनुमति नहीं देने का आग्रह किया।
- "भारत की तरह, ऑस्ट्रेलिया एक बहुसांस्कृतिक देश है वहीं मेलबर्न में दो हिंदू मंदिरों में हुई तोड़फोड़ बहुत बुरी घटना है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए हमारे समर्थन में अभद्र भाषा या हिंसा शामिल नहीं है।

स्रोत-PTI

THE STUDY
An Institute for IAS